

पढाई के बहाने चुदाई

प्रेषक : मुकेश माचो

मैं मुकेश, मेरे प्रिय पाठकों और पाठिकाओं को मेरे लंड का नमस्कार।

मैं भी आपकी ही तरह अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मुझे इस साईट की कहानियों को पढ़कर लगा कि मैं भी आपके समक्ष अपनी सच्ची कहानी रखूँ।

मैं जिस लड़की के बारे में बताने जा रहा हूँ उसका नाम सपना है। उसका कद करीब ५.३" है। रंग थोड़ा सांवला है और उसके मम्ममे करीब ३४" के होंगे और उसके गांड करीब ३८" की होगी और उसकी पतली कमर अगर उसे कोई देख ले तो उसका लण्ड कड़क हो जाए।

बात उन दिनों की है जब मैं पटना(बिहार) के कोचिंग में पढ़ाया करता था, वो मेरे कोचिंग में पढ़ती थी। वो एक अमीर घराने की माडर्न ख्याल की लड़की थी, इसीलिए छोटे छोटे और पारदर्शक कपड़े पहन कर आती थी जिससे देख सभी लड़के उस पर फ़िदा रहते थे। गुरु होने के कारण मैंने जैसे तो कभी उसे उस नजरिये से कभी नहीं देखा था पर उस दिन बात ही कुछ ऐसी हो गई।

मैं आपको बताना भूल गया कि उसे बार-बार बेहोश होने की बीमारी थी। वो रविवार का दिन था और कोचिंग की छुट्टी थी पर उसे गणित में कुछ प्रोबलम होने के कारण उसने मुझसे अकेले में पढ़ाने को कहा था। वो ठीक १० बजे मेरे कोचिंग में आ गई, और हमने पढाई शुरू कर दी। मैं उसे पढ़ा ही रहा था कि इतने में वो बेहोश हो गई। मैं उसके मुँह पे पानी के छींटे मार रहा था उसे होश में लाने के लिए। इस बीच मेरी नजर उसके मम्ममे पर चली गई। पानी और पारदर्शक कपड़े होने के कारण उसके मम्ममे गीले हो गए जिस कारण वो पूरे साफ़ साफ़ दिख रहे थे। मैं न चाहते भी उसके मम्ममे दबाने लगा। उसके बाद मैंने उसके टॉप के अन्दर हाथ डाल दिया और उसे मसलने लगा और उसके होठों पे अपने होंठ रख कर चूसने लगा। इतने में वो होश में आ गई और हल्का सा मेरा विरोध करने लगी पर उसके बाद वो भी गरम हो गई।

मेरा भी लंड अन्दर ही पैंट फाड़ने लगा और उसने अपने हाथों से मसलना शुरू कर दिया। करीब १० मिनट की चुम्मा-चट्टी के बाद वो पूरी गर्म हो गई और मेरे कपड़े उतारने लगी। मैंने भी देर ना करते हुए उसके कपड़े उतार दिए और थोड़े ही समय में दोनों पूरे नंगे हो गए। वह घुटने के बल बैठ गई और मेरा लंड चूसने लगी और मैं उसके मम्ममे दबा रहा था। फिर मैंने उसे मेज़ पर लेटा दिया और उसकी संगमरमरी चूत अपनी जीभ से चाटने लगा। उसकी चूत एकदम कसी और वह अनचुदी कलि थी। वह सिस्कारियां भर रही थी और इतने में वह झड़ चुकी थी। मैंने उसके अमृत-रस को चाट कर साफ़ कर दिया।

थोड़ी देर में वो फिर से गरम हो गई और तड़पने लगी। फिर मैंने उसे ज्यादा न तड़पाते हुए उसकी टाँगे मेज़ पर फैलाई और अपना लंड उसकी बुर पे रख दिया। लंड अन्दर नहीं जा रहा था इसलिए मैंने वैसलिन लगाया और धीरे धीरे अन्दर डालने लगा। लंड धीरे धीरे अन्दर चला गया और वह दर्द से तड़पने लगी। मैंने और जोर लगाया तो उसकी बुर से थोड़ा खून निकला और दर्द के मारे तड़पने लगीआआआ... ऊउम्मम्मम्मम्म..... येस्स्स.....ये सब आवाजें निकलने लगी।

मैं थोड़ा रुका और उसके होंठ चूसने लगा। थोड़ी देर बाद उसका दर्द कम हुआ और नीचे से वह गांड उठा उठा कर चुदवाने लगी। मैंने भी तब फिर से उसे चोदना चालू कर दिया और करीब १५ मिनट की चुदाई के बाद हम दोनों एकसाथ झड़ गए।

उस दिन मैंने उसे दो बार और चोदा। अब हमें जब भी वक्त मिलता है तो हम पढाई के बहाने चुदाई किया करते हैं।

मेरे प्रिय पाठको, यह मेरी पहली कहानी है इसलिए जो भी गलती हुई उसके लिए माफ़ करियेगा और आपको अगर कहानी अच्छी लगी तो मुझे मेल कीजिये। आपके इ मेल्स मेरे लिए प्रेरणा-स्रोत का काम करेंगे तो मेल करने में कंजूसी न करें।

mukeswamacho@gmail.com

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वासना



अन्तर्वासना

अन्तर्वास